International Journal of Research Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. इन्दिरा सिंह
सहायक प्राध्यापिका(शिक्षा विभाग)
माँ सिंहवाहिनी महाविद्यालय
औरेया (उ.प्र.)

ABSTRACT : भारतवर्ष में यौन शब्द के साथ ही छिपाव जुड़ा हुआ है। 'सेक्स' शब्द का प्रयोग सार्वजनिक रूप में होने पर विस्फोट की स्थिति आ जाती है। सम्प्रति विद्यालयी पाठ्यक्रम एवं विद्यालयी प्रणाली में यौन शिक्षा को महत्व देने की अत्यन्त आवश्यकता है। भारतीय माता–पिता बच्चों के मस्तिष्क में उपज रहे यौन सम्बन्धी प्रश्नों एवं भ्रान्तियों का निराकरण करने में संकोच एवं शर्म की अनुभूति करते हैं तथा निरूत्साही प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं, जबकि सेक्स शिक्षा प्रदान करने में अभिभावकों की अहम् भूमिका होती है।यदि अभिभावक बच्चों को सेक्स सम्बन्धी सही जानकारी नहीं देगे तो संभवतः ऐसा भी हो सकता है कि उनके बच्चे प्रतिबन्धित एवं गलत साधनों द्वारा यौन सम्बन्धी अपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करें जो उनके लिए खतरनाक भी हो सकता है। वर्तमान में इसका सर्वाधिक प्रचलित साधन एवं माध्यम 'इंटरनेट' है। आज का युवा वर्ग इन्टरनेट के माध्यम से सेक्स सम्बन्धी गलत सूचनाएँ ग्रहण कर रहा है जो असुरक्षित यौन क्रियाओं को बढ़ावा दे रहा है। 'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य संघ' (National Family Health Association) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 15–19 आयु वर्ग की लगभग 12% लड़कियाँ माँ बन जाती है, आखिर ऐसा क्यों? इसका कारण है, यौन शिक्षा का अभाव। जहाँ भारतीय यौन शब्द के प्रयोग को ही विस्फोट मानते है वही **'आस्ट्रिया' (Austria)** में विश्व का प्रथम 'यौन/सेक्स विद्यालय' (Sex School) खोला गया है जहाँ निर्धारित आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं को पर्याप्त सेक्स शिक्षा प्रदान की जाती है। **(Ylva-Maria**

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

Thompson) **'यल्वा मारिया थाम्पसन'** वह व्यक्ति थे जिन्होंने युवावर्ग को 'सेक्स शिक्षा' प्रदान करने हेतु विश्व का यह प्रथम 'अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय' स्थापित किया। भारतवर्ष में यौन शिक्षा सम्बन्धी शोध कार्यों की जितनी आवश्यकता है इसकी अपेक्षा शोध की संख्या कम इसलिए शोधकर्त्री ने इस विषय का चयन किया। प्रस्तुत अध्ययन में यौन शिक्षा के प्रति शैक्षिक स्तर (हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक)के आधार पर पुरूष तथा महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। तद्हेतु 120 पुरूष अभिभावको (40 हाईस्कूल, 40स्नातक एवं 40परास्नातक) तथा 120 महिला अभिभावको (40 हाईस्कूल, 40स्नातक एवं 40परास्नातक) का चयन न्यादर्श हेतु किया। अभिभावको की अभिवृत्ति के स्तर को मानकीकृत परीक्षण द्वारा ज्ञात किया गया तथा तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान तथा X^2 का प्रयोग किया गया। संकलित आँकडों के विश्लेषण से यौन शिक्षा के प्रति शैक्षिक स्तर के आधार पर पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ।

KEYWORDS : यौन शिक्षा , यौन क्रियाएँ : पुरूष एवं महिला अभिभावक, अभिवृत्ति।

1 प्रस्तावना–भारतवर्ष में यौन शब्द के साथ ही छिपाव जुड़ा हुआ है। 'सेक्स' शब्द का प्रयोग सार्वजनिक रूप में होने पर विस्फोट की स्थिति आ जाती है। हममें से अधिकांश व्यक्ति अपने प्रौढ़ों के समक्ष इस शब्द का प्रयोग करने से तथा इस सम्बन्ध में बात करने से कतराते है लेकिन बहुत सी बातें ऐसी हैं जिनकी जानकारी अथवा ज्ञान हमारे देश के युवाजनों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। जिस तीव्र गति से हमारे देश में यौन सम्बन्धी अपराध निरन्तर प्रकाश में आ रहे हैं तो इन अपराधों की पीछे छिपे कारणों को जानना भी अत्यन्त आवश्यक है। यह न सिर्फ स्वास्थ्य मंत्रालय तथा कानून एवं रक्षा विभाग बल्कि हम सभी को सचेत करने वाली परिस्थिति है।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

सम्प्रति विद्यालयी पाठ्यक्रम एवं विद्यालयी प्रणाली में यौन शिक्षा को महत्व देने की अत्यन्त आवश्यकता है। भारतीय माता–पिता बच्चों के मस्तिष्क में उपज रहे यौन सम्बन्धी प्रश्नों एवं भ्रान्तियों का निराकरण करने में संकोच एवं शर्म की अनुभूति करते हैं तथा निरूत्साही प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं, जबकि सेक्स शिक्षा प्रदान करने में अभिभावकों की अहम् भूमिका होती है।यदि अभिभावक बच्चों को सेक्स सम्बन्धी सही जानकारी नहीं देगे तो संभवतः ऐसा भी हो सकता है कि उनके बच्चे प्रतिबन्धित एवं गलत साधनों द्वारा यौन सम्बन्धी अपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करें जो उनके लिए खतरनाक भी हो सकता है। वर्तमान में इसका सर्वाधिक प्रचलित साधन एवं माध्यम 'इंटरनेट' है। आज का युवा वर्ग इन्टरनेट के माध्यम से सेक्स सम्बन्धी गलत सूचनाएँ ग्रहण कर रहा है जो असुरक्षित यौन क्रियाओं को बढ़ावा दे रहा है।

'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य संघ' (National Family Health Association) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 15–19 आयु वर्ग की लगभग 12% लड़कियाँ माँ बन जाती है, आखिर ऐसा क्यों? इसका कारण है, यौन शिक्षा का अभाव। भारतीय शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत यौन शिक्षा की स्थिति अत्यन्त दयनीय है। विभिन्न राजनैतिक सदस्यों के साथ संसदीय समिति ने वर्तमान में यह सुझाव दिया है कि स्कूल में यौन शिक्षा नही दी जानी चाहिए। इस समिति ने यह भी सुझाव दिया कि सामान्य पाठ्यक्रम से एच.आई.वी./एड्स (HIV/Aids) तथा अन्य यौनिक क्रियाओं एवं यौन सम्बन्धी बीमारियों से सम्बन्धित शीर्षकों को हटा देना चाहिए।

जहाँ भारतीय यौन शब्द के प्रयोग को ही विस्फोट मानते है वही **'आस्ट्रिया' (Austria)** में विश्व का प्रथम 'यौन/सेक्स विद्यालय' (Sex School) खोला गया है जहाँ निर्धारित आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं को पर्याप्त सेक्स शिक्षा प्रदान की जाती है। **(Ylva-Maria Thompson) 'यल्वा मारिया थाम्पसन'** वह व्यक्ति थे जिन्होंने युवावर्ग को 'सेक्स शिक्षा' प्रदान करने हेतु विश्व का यह प्रथम 'अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय' स्थापित किया।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

भारतवर्ष में यौन शिक्षा सम्बन्धी शोध कार्यो की जितनी आवश्यकता है इसकी अपेक्षा शोध की संख्या कम है। बेवर (2002) ने विद्यालयों में यौन शिक्षा प्रदान करने के सम्बन्ध में अभिभावकों की सकारात्मक अभिवृत्ति पायी। ओगनजिमी (2006) के अनुसार विद्यार्थी एवं अभिभावक विद्यालयी पाठ्यक्रम में यौन शिक्षा रखने के पक्षधर थे। एनगड़ी (2011) पाया कि माताएँ अपनी किशोर बालिकाओं से यौन शिक्षा के सम्बन्ध में चर्चा नहीं करना चाहती। बेन्जेंकेन (2011) के अनुसार मुम्बई के जूनियर कॉलेज के विद्यार्थियों ने विद्यालयी पाठयक्रम में यौन शिक्षा के महत्व को स्वीकार किया। वशिष्ठ एवं राजश्री (2012) ने उच्च माध्यमिक स्तर पर अभिभावकों एवं शिक्षकों की यौन शिक्षा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पायी। ई (2013) को शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का यौन शिक्षा के प्रति एक समान अर्थात् सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। वेन्युनेई (2014) को माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का यौन सम्बन्धी व्यवहार एवं शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। महाजन एवं शर्मा (2015) के अनुसार महिला अभिभावक अपनी बेटियों से यौन शिक्षा के सम्बन्ध में चर्चा नहीं करना चाहती क्योंकि ये एक शर्मनाक विषय है।

2 अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the study)– प्रस्तावित अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार निर्धारित किए गए–

1. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा (हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
2. यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा (हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
3. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा (हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

3 शोध परिकल्पना (Research Hypothesis)– परिकल्पना अनुसंधान प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। प्रस्तुत शोध हेतु परिकल्पनाओं का निर्धारण इस प्रकार किया गया–

1. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति में शिक्षा (हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक) आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में शिक्षा (हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक) आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में शिक्षा (हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक) आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

4 प्रतिदर्श (sample)- प्रस्तुत शोध में मेरठ जनपद के 120 पुरूष अभिभावक (40 हाईस्कूल, 40 स्नातक एवं 40 परास्नातक) तथा 120 महिला अभिभावक (40 हाईस्कूल, 40 स्नातक एवं 40 परास्नातक) कुल 240 अभिभावकों का चयन सम्भाव्यता पर आधारित 'यादृच्छकी न्यादर्श चयन' विधि द्वारा किया गया। शोधकर्त्री द्वारा चयनित न्यादर्श का वितरण सारणी–1 में प्रस्तुत है–

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

सारणी–1

अभिवृत्ति मापन हेतु अभिभावकों का वर्गीकरण

पुरूष अभिभावक–120

महिला अभिभावक–120

कुल–240

पुरूष अभिभावक(120)	महिला अभिभावक(120)
हाईस्कूल पुरूष अभिभावक(40)	हाईस्कूल महिला अभिभावक(40)
स्नातक पुरूष अभिभावक(40)	स्नातक महिला अभिभावक(40)
परास्नातक पुरूष अभिभावक(40)	परास्नातक महिला अभिभावक(40)

5 **शोध उपकरण–** प्रस्तुत शोध हेतु निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रयुक्त उपकरण इस प्रकार है–

यौन/सेक्स शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति जानने हेतु डा0 ऊषा मिश्रा द्वारा निर्मित **''एट्टीट्यूड स्केल टूवार्ड्स सेक्स एजूकेशन''** **(Attitude Scale Towards Sex Education)** नामक परीक्षण का प्रयोग किया गया।

6 **प्रदत्त संग्रह–** प्रस्तुत शोध में प्रदत्त संकलन हेतु सर्वेक्षण की विश्लेषणात्मक विधि का प्रयोग किया गया।

7 **फलांकन–** उक्त अभिवृत्ति मापनी को पुरूष एवं महिला अभिभावकों पर प्रशासित कर उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर प्राप्तांक प्राप्त किए जिससे अभिवृत्ति का वर्गीकरण किया जा सकें। प्राप्तांकों के आधार पर अभिवृत्ति का वर्गीकरण सारणी–3 में प्रदर्शित है–

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

सारणी–2

प्राप्तांको के आधार पर अभिवृत्ति का वर्गीकरण

क्र.सं.	प्राप्तांक	अभिवृत्ति का स्तर
1.	120–129 तथा 129 से अधिक	यौन शिक्षा के प्रति अति उच्च अभिवृत्ति
2.	100–119	यौन शिक्षा के प्रति उच्च अभिवृत्ति
3.	70–99	यौन शिक्षा के प्रति तटस्थ अभिवृत्ति
4.	50–69	यौन शिक्षा के प्रति निम्न अभिवृत्ति
5.	40 से कम तथा 40–49	यौन शिक्षा के प्रति अति निम्न अभिवृत्ति

उक्त अभिवृत्ति मापनी में प्रत्येक पद के फलांकन हेतु 'लिकर्ट तकनीक' का प्रयोग किया गया। मापनी के कथन सकारात्मक व नकारात्मक दो श्रेणियों में विभाजित थे तथा इसके फलांकन हेतु पाँच बिन्दु निर्धारण मापनी प्रयोग में लायी गयी।

8 प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ– प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ इस प्रकार है–

1. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति सम्बन्धित प्रदत्तों का विश्लेषण अभिवृत्ति मापनी के आधार पर ऊषा मिश्रा द्वारा निर्धारित मानकों की सहायता से किया गया।
2. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति को तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation) तथा काई स्क्वायर (X^2) का प्रयोग किया गया।
3. **सार्थकता स्तर**– प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं का परीक्षण 0.05 एवं 0.01 स्तरों पर किया गया है।

International Journal of Research Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

9 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या– प्रयुक्त विधियों एवं प्रविधियों के अनुसार संकलित आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं उसके परिणामों का आंकलन इस प्रकार है–

1– प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देश्य यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। इसे तीन वर्गो में विभाजित किया। हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक। इस वर्गीकरण को सांख्यिकीय गणना द्वारा सारणी 3 में प्रस्तुत किया गया है।

सारणी– 3

यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति की शिक्षा/शैक्षिक स्तर आधारित तुलना

यौन शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	शैक्षिक स्तर	अभिभावकों की संख्या (120)	अभिवृत्ति का स्तर	मध्यमान	X^2 का मान	सार्थकता स्तर
पुरूष अभिभावक	हाईस्कूल	40	अति उच्च अभिवृत्ति	421.5	6.61	0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर
	स्नातक	40	अति उच्च अभिवृत्ति	473.4		
	परास्नातक	40	अति उच्च अभिवृत्ति	447.7		

अपेक्षित X^2 का मान– 0.05 स्तर पर 5.99

0.01 स्तर पर 9.21

सारणी–3 के प्रेक्षण से स्पष्ट है कि हाईस्कूल, स्नातक तथा परास्नातक पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का स्तर 'अति उच्च' तथा मध्यमान क्रमशः 421.5, 473.4 तथा 447.7 प्राप्त हुआ। शैक्षिक स्तर अथवा शिक्षा के आधार पर पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति के मध्यमानों में प्राप्त अन्तर की सार्थकता हेतु 'X^2' का मान 6.61 प्राप्त हुआ। यह मान 0.05 सार्थकता स्तर पर सारणीकृत मान 5.99 से अधिक है अतः पुरूष

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

अभिभावकों की अभिवृत्ति में शिक्षा के आधार पर सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ।यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति में शैक्षिक स्तर के आधार पर अन्तर आने का मुख्य कारण यह हो सकता है कि जैसे–जैसे व्यक्ति, अधिक से अधिक शिक्षित होता जाता है वह सही–गलत, अच्छा–बुरा आदि को समझने लगता है। यौन शिक्षा के सम्बन्ध में वह यह जानने में सक्षम हो जाता है कि वर्तमान में यौन शिक्षा की उपादेयता को किसी भी रूप में नकारा नहीं जा सकता।

2–प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। इसे तीन वर्गो में विभाजित किया। हाईस्कूल, स्नातक एवं परास्नातक। इस वर्गीकरण को सांख्यिकीय गणना द्वारा सारणी– 4 में प्रस्तुत किया गया है।

सारणी– 4

यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति की शिक्षा/शैक्षिक स्तर आधारित तुलना

यौन शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	शैक्षिक स्तर	अभिभावकों की संख्या (120)	अभिवृत्ति का स्तर	मध्यमान	X^2 का मान	सार्थकता स्तर
महिला अभिवाक	हाईस्कूल	40	अति उच्च अभिवृत्ति	408.7	3.97	सार्थक अन्तर नहीं
	स्नातक	40	अति उच्च अभिवृत्ति	453		
	परास्नातक	40	अति उच्च अभिवृत्ति	465		

अपेक्षित X^2 का मान– 0.05 स्तर पर 5.99

0.01 स्तर पर 9.21

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

सारणी– 13 (ब) के प्रेक्षण से स्पष्ट है कि हाईस्कूल, स्नातक तथा परास्नातक महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का स्तर 'अति उच्च' तथा मध्यमान क्रमशः 408.7, 453 तथा 465 प्राप्त हुआ। शैक्षित स्तर अथवा शिक्षा के आधार पर महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति के मध्यमानों में प्राप्त अन्तर की सार्थकता हेतु 'X^2' का मान 3.97 प्राप्त हुआ। यह 'X^2' का मान अपेक्षित सारणीकृत मान से कम है अतः महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में शिक्षा के आधार पर सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ।

3– प्रस्तुत अध्ययन का तीसरा उद्देश्य यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षा के आधार पर करना था। यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन को सारणी– 5 में प्रदर्शित किया गया है।

सारणी–5

यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का शिक्षा/शैक्षिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

अभिभावक	कुल संख्या (240)	मध्यमान			X^2 का मान	सार्थकता स्तर
		हाईस्कूल	स्नातक	परास्नातक		
पुरूष अभिभावक	120	421.5	473.4	447.7	1.73	सार्थक अन्तर नहीं
महिला अभिभावक	120	408.7	453	465		

अपेक्षित X^2 का मान– 0.05 स्तर पर 5.99

0.01 स्तर पर 9.21

सारणी–5 के प्रेक्षण से स्पष्ट है कि यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षा के तीन स्तरों हाईस्कूल, स्नातक तथा परास्नातक

पर किया गया। यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति की तुलनात्मक सांख्यिकीय गणना करने पर 'X^2' का मान 1.73 प्राप्त हुआ जो 'X^2' के अपेक्षित सारणीकृत मान से कम है अतः यौन शिक्षा के प्रति हाईस्कूल, स्नातक तथा परास्नातक, पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ।

10. शैक्षिक निहितार्थ—पुरूष एवं महिला अभिभावकों के लिए उक्त विषय के परिणाम अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। अभिभावक यौन शिक्षा के महत्व को भली–भाँति रूप से समझते हुए यौन शिक्षा के प्रति अपनी संकुचित विचारधारा का परित्याग सरलतापूर्वक कर सकेगें तथा यौन शिक्षा के प्रति अपनी सोच को बदल सकेगें। वर्तमान समय में यौन सम्बन्धी अपराधों की अधिकता को देखते हुए यह अति आवश्यक है कि अभिभावक अपने किशोर व किशोरियों से यौन शिक्षा के सम्बन्ध में खुलकर चर्चा करे ताकि वे अपने बच्चों की उक्त विषय सम्बन्धी भ्रान्तियों का सरलतापूर्वक समाधान कर सकें।

REFERENCES:

1- Angadi, G.R. (2011), 'Adolescent Children's Parental Attitude Towards Sex Education.' *International Referred Research Journal,* 3 (25) : 22-24. Retrieved from http://www.ssmrae.com. Accessed on 09/06/15.

2- Benzaken, Tumi; Palep, Ashutosh. H. and Gill, Paramjt S. (2011), 'Exposure to and Opinion Towards Sex Education Among Adolescent Student in Mumbai : A Cross-Sectional Survey' *BMC Public Health*, 11 : Retrieved from http://www.krepublishers.com Accessed on 21/05/15.

3- Best, John W. & Kahn, James V. (1986), *Research in Education,* New Delhi : Percentile Hall of India Private Limited.

4- E., Eko Jimmy et.al. (2013), 'Perception of Students' Teachers and Parents' Towards Sexuality Education in Calabar South Local Government Area of Cross River State,

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 04 Issue 09
August 2017

Nigeria.' *Journal of Sociological Research,* 4 (2) : 225-240. Retrieved from http://www.macrothink.org. Accessed on 11/06/15.

5- Mahajan, Payal & Sharma, Neeru (2005), 'Parents Attitude Towards Imparting Sex Education to their Adolescent girls.' *Anthropologist,* 7(3) : 197-199. Retrieved from http://www.krepublishers.com. Accessed on 08/06/15.

6- O, Ogunjimi L. (2006), 'Attitude of Students and Parents Towards the Teaching of Sex Education in Secondary schools in Cross Rivers State.' *Educational Research and Review,* 1 (9) : 347-349. Retrieved from http://www.academicjournals.org/ERR. Accessed on 01/06/15.

7- Sixth survey of educational Research (1993-2000) I, New Delhi : National Council of Educational Research and Training.

8- Vashistha, K.C. & Rajshree (2012), 'A study of Attitude Towards Sex-Education Pereceived by Parents & Teachers.' *Samvaad : e-journal,* 1 (2) : 63-74. Retrieved from www.samvaad.e-journaldialog1.webs.com. Accessed on 05/06/15.

9- Wanyonyi, Hellen Sitawa (2014), 'Youth Sexual Behaviour and Sex Education.' *International Journal of Education and Research*, 2 (3) : 1-14. Retrieved from http://www.ijern.com. Accessed on 09/06/15.

10- Weaver, Angela D. et.al. (2002), 'Sexual Health Education at School and at Home : Attitudes and Experiences of New Brunswick Parents.' *The Canadian Journal of Human Sexuality.* 11(1) : 19-31. Retrieved from http://www.sexualityandu.ca. Accessed on 10/06/15.